ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of the Press briefing **Held at 1615 Hours 28.07.2014**

Shri Shaktisinh Gohil addressed the media today.

श्री शक्ति सिंह गोहिल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा चूंकि कल ईद है और कल कांग्रेस पार्टी की प्रेसवार्ता नहीं होती, इसलिए मैं कांग्रेस–पार्टी की ओर से आप सभी को ईद की मुबारकबाद देता हूं।

श्री गोहिल ने कहा कि हर व्यक्ति को संवैधानिक अधिकार है उस को निजी जीवन जीने का। दूसरे की जिन्दगी में झांकना, गैर–कानूनी रूप से जासूसी करना, कानून किसी को आज्ञा नहीं देता। आप सभी देख रहे है कि लगातार यह सिलसिला चल रहा है, गडकरी जी के घर पे कुछ उपकरण पाए गए, कोई उन की जासूसी कर रहा था। कभी कहते हैं दिल्ली का घर, कभी कहते हैं, मुबंई का घर। जिस के घर पर हो रहा था वो गडकरी जी यह नहीं कहते है कि होता था या नहीं होता था, Highly speculative। क्या मतलब होता है उस का – या तो होती थी या नहीं होती थी। इतना कह कर उन्होंने भी छोड़ दिया।

इस विषय में भाजपा के नेता सुब्रहमण्यम स्वामी अथारिटी के साथ कहते हैं कि हुई थी और वो यह भी कह रहे हैं कि होनी चाहिए और संसद में उनको देश को जवाब देना चाहिए कि कया हो रहा था।

श्री गोहिल ने कहा कि गुजरात से मैं आता हूं और गुजरात में तो यह मामला चलता ही था। अब दिल्ली में और देश में भी जासूसी के दिन आ गए हैं। लगता है कि उनके सूत्रधार यहां भी आ गए हैं। गुजरात में हरेन पण्डया जो कि भाजपा के नेता थे, आर.एस.एस. के, प्रधानमंत्री गुजरात के मुख्यमंत्री थे उन्होंने ही निर्देश दिए थे। यह मैं नहीं कहता हूं। गुजरात के आई जी (पी) इन्टैलिजैन्स ने शपथ ले कर इस मामले में कहा है कि मुझे बुला कर एक नम्बर दिया गया कि दंगों के मामलों में कुछ डेलीगेशन मिलने वाले हैं, यह नम्बर भी महत्व का है, इस की रिकार्डिंग की जाए और टैप किया जाए। भाई जी पी ने कहा, कि जब देखा तो यह नम्बर हरेन पण्डया इस्तेमाल करते थे। डी.जी.पी. गुजरात ने भी कहा जो कि रिकार्ड में है कि 95000 टेलीफोन गैर–कानूनी ढंग से टैपिंग हो रहे हैं गुजरात में। गुजरात में मैं जब विपक्ष का नेता था, कुछ अधिकारी फोन करते थे, कुछ उद्योग वाले फोन करते थे, कभी कोई पत्रकार भाई फोन करते थे तो वो अपने फोन से फोन नहीं करते थे। या तो वो अपने ड्राईवर या जो उन के साथ जो रहते थे या अपने संबधियों के फोन से फोन करते थे। क्यूंकि सभी को लगता था कि गुजरात में बड़ी मात्रा में टैपिंग हो रही हैं और कुछ लोगों को इन बातों का अनुभव भी हुआ था। जिस लड़की की जासूसी का कांड हुआ, जिस की आवाज को आज तक नकारा नहीं गया, उस ने कहा कि मैं साहेब के कहने से यह करवा रहा हूं,

साहेब ने कहा यह करना है। हम तो केवल यही चाहते हैं कि सच्चाई बाहर आनी चाहिए। सी.ए.जी की स्वतंत्र संवैधानिक एजेन्सी है – गुजरात विधान–सभा में आखिरी दिन – हम विधायकों को तो सस्पेंड भी कर दिया गया और सी.ए.जी की रिपोर्ट को टेबल किया गया। यह रिपोर्ट उस समय की है जब यह प्रधानमंत्री गुजरात के मुख्यमंत्री थे। जब यू.पी.ऐ की सरकार थी और अगर कुछ सी.ए.जी की रिपोर्ट में कुछ आता था, यही भाजपा कहती थी कैग ने कह दिया – भगवान ने कह दिया। स्वतंत्र संवैधानिक एजेन्सी ने यह कह दिया कि भ्रष्टाचार है, सीधे उच्चतम न्यायालय इस में हस्तक्षेप करे, इस की जांच हो, पी.ए.सी. की कमेटी का हम कोई इन्तजार नहीं करेंगे और अब उन के मापदंड अगर यही हैं तो गुजरात सी.ए.जी की रिपोर्ट तो मैंने कुछ ही मामलों को देखा और उन का टोटल लगाया तो पता चला कि गुजरात में 29000 करोड़ का घपला कैग की रिपोर्ट में पाया गया है। जो बड़ उद्योगपति हैं, उन को कितना पक्षपात किया गया है। रिपोर्ट से पता चलेगा कि देश के सामने एक बड़ा प्रश्न था कि देश में इतनी जनसंभाए हो रही हैं, खास जहाज के बिना भाजपा का कोई नेता जाता नहीं है, 3–डी, से देश में इतनी सारी जनसभाओं का आयोजन, उम्मीदवारों का पर्याप्त मात्रा में राशि पाना, इतने सारे विज्ञापन–पैसे आते कहां से हैं? इस का उत्तर इस कैग की रिपोर्ट में है कि पैसे बड़े उद्योगपतियों को जिस प्रकार से दिए जाते थे। कुछ उदाहरण रखूंगा, आप के सामने जो बड़े उद्योगपति हैं जैसे अडानी–रिलायन्स, एसार और एल. एन्ड टी. – उनको जो लाभ पहुंचाया गया है– कैग के एक पैरा में कहा गया है – Gujarat Maritime Board ने लिखा है कि रिलायन्स को 649 करोड़ का लाभ पहुंचाया गया। अडानी को केवल एक सेक्टर में 118.12 करोड़ का लाभ पहुंचाया गया। एस. आर को केवल 587 करोड़ का लाभ पहुंचाया गया केवल एक मामले में। इन्जीनियरिंग में जो यह कहते हैं कि देश को एक स्वप्न बेचा कि मेरे गुजरात में कोई इंजीनियर बेरोजगार नहीं है, मैं तो हर किसी को नौकरी देता हूं। उस गुजरात ने कैग ने लिख कर दिया है कि इन्जीनियरिंग कॉलेजों में 81 प्रतिशत प्राध्यापकों के रिक्त स्थान हैं, 74 प्रतिशत विभागों के मुखिया के स्थान रिक्त हैं, 68 प्रतिशत लैब असिस्टेन्ट के पद खाली हैं, और यही कारण है कि जिस गुजरात में इन्जीनियर बेरोजगार नहीं रहता था, आज इन्जीनियतरिंग ग्रैजूएट और डबल ग्रैजुएट – सरकार के एम्पलायमेंट एकसचेंच के रिकार्ड के अनुसार ऐसे 11000 से अधिक ग्रैजुएट बेरोजगार हैं, क्यूंकि उनको कोई पढ़ाने वाला हीं नहीं है।

विजया लक्ष्मी नाम के ब्राण्ड से देश में बात चलाई थी कि देखो मेरे गुजरात में लड़की और उसकी शिक्षा के लिए मैं बहुत चिंतित हूं – जैसे ही कन्या स्कूल में आएगी उस के नाम की दो हजार की रसीद बनेगी, और इस योजना के ऐिल मैंने करोड़ों रूपयों का बजट रखा है। कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि जो बच्चियां इस योजना के ऐिल उपयुक्त थी, वो बेचारियां इधर–उधर चक्कर काटती रहीं, उन्हें कोई राशि नहीं दी गई। गलत नामों से एक ही लड़की के नाम से एक से अधिक ब्राण्ड लिये गए और पैसे बचा के बाकी के या तो ब्राण्ड मिल नहीं रहें हैं अन्यथा वो राशि कहीं और चली गई है।

सोलर एनर्जी पर कहा था कि पूरे देश में मेरे जैसी कोई भी सोलर एनर्जी नहीं पैदा कर सकता पूरे देश में। कैग ने कहा है कि सोलर एनर्जी में कोई भी पारदर्शिता नहीं बरती गई है। आप की एनर्जी मैं खरीदूंगा, आ जाओ अन्डर टेबल समझ लो, मैं ये दूंगा। कैग ने कहा है कि 500 करोड़ से भी अधिक गुजरातियों पर इस का बोझ पड़ा है जो बिजली इस्तेमाल करते हैं क्योंकि यह बिजली महंगी ली गई, गुजरात में निजी कंपनी को उसी सौदागर एनर्जी वाले से साठ रूपये में बिजली मिली, मोदी सरकार ने उधर पन्द्रह रूपये प्रति यूनिट भी खरीदी है। वे छोटे लोगों से टैक्स तुरन्त वसूल करते हैं, अगर नहीं देते तो कार्यवाई होती

है पर उन के चहीतों के पास 16566.44 करोड़ की राशि की वसूली ही नहीं हुई है। कैग ने लिखा है कि इस में पांच साल से अधिक समय से, जिस की प्रापर्टी की नीलामी होनी चाहिए थी, उस की नीलामी नहीं हुई है क्योंकि वे बड़े लोग थे ऐसा कहा जाता है कि उसी के मामले में कुछ बात संसद में कही गई। प्रधानमंत्री जी ने संसद में यह कहा कि मेरे गुजरात में हर गांव में, हर गांव के घर में भी, 24 घंटे मैं बिजली देता हूं। गुजरात में सिंगल फेस तो 24 घटों बरसो से आती थी। हम किसानों को कांग्रेस के शासनकाल में 17 घंटे बिजली देते थे। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में किसानों को केवल आठ घंटे बिजली मिलती है। जब मोदी जी थे जब भी और जब आन्नदी बहन है तब भी। संसद में जाने पर नौटंकी के लिए माथा टेकते हैं और कहते हैं कि यह मंदिर है, उस मंदिर में इतना बड़ा झूठ।

जून 2014 शाम को 4 बज कर 12 मिनट पर संसद में बोले थे। मैने पूरी स्क्रिप्ट निकलवाई है। आठ घंटे से अधिक गुजरात में किसानों को बिजली नहीं मिलती है यह रिकार्ड में दर्ज है। और वह भी ज्यादातर रात को देते हैं तो उसका उनको को क्या फायदा।

उन्होंने यह भी कहा था कि उस समय के कांग्रेस के अमर सिंह चौधरी जी ने अकेले मिल कर कहा था कि यह तो बहुत बड़ा काम है। तुम कैसे करोगे, अब अमर सिंह जी हमारे बीच नहीं रहे, उनसे पूछने कौन जाए। पर विधान सभा में अमर सिंह चौधरी बोले थे और उन्होंने मोदी की आलोचना की थी और कहा था कि जब वे मुख्यमंत्री थे तो इतने सस्ते में बिजली देता था, तुम बहुत महंगी बिजली दे रहे हो। नटवर सिंह ठाकुर जो कांग्रेस के विधायक थे, उन्होंने कहा था कि आपने किसानों की बिजली काट दी है, गांव में लोग दुखी हैं और प्रधानमंत्री जी यहां पर झूठ बोलते हैं, वो भी मैने आपके सामने रखा है।

On a question whether the Congress party is planning to take up this issue in parliament as a privilege motion, Shri Gohil said this is up to the MPs, I cannot move a privilege motion. Certainly we will draw attention of our leaders in the Lok Sabha and as a parliamentarian whatever limited knowledge I have, if it is moved, then it cannot be discussed in public domain. At this point of time, I do not know their plan of action. I have submitted my statistics before the media for your attention. I am saying as a spokesperson I am raising this issue here and certainly I will provide documents to my Leader and Dy. Leader in the Lok Sabha. Thereafter technically it is up to them to decide how and when they take it up.

To a further question that why it is has been delayed so long, Shri Gohil said I had to procure script the parliament. It is surprising that they remove any such information from their website after a certain time. To justify electricity to farmers even for eight hours a day, circular is issued after every three months. I wanted to procure three or four such circulars so that I could establish my case. I do not think that I have delayed it so much.

Citing the case of Ms. Indira Gandhi disqualified for providing wrong information to the parliament, why don't you raise this issue in parliament, Shri Gohil said it is a

big issue that is why I am raising here. Today I am raising here. Just give us some time.

To a further question on bugging of Gadkari's house, Shri Gohil said Gadkari has not said straightaway but has said highly speculative, if it is not so. Dr. Subramaniam Swamy has said it on record that this has happened. Why does not Prime Minister issue a statement on the same? In this connection, some people say that Nitin Gadkari had written a letter to RSS bosses which means something had happened. Some of my journalist friends were telling me that Nagpur is the origin of this news. If it is true, the question is why Gadkari had written to RSS, why did he not write to the Prime Minister. It should be made clear and a thorough probe should be conducted. They are misguiding the people of the nation. The whole nation watched and witnessed the snooping of an innocent girl in Gujarat after which they set up a commission so that another commission could not be set up outside Gujarat.

To another question whether the experiment of Shri Rahul Gandhi holding organizational elections in NSUI and IYC successful, Shri Gohil said it proved very successful. Now independent elections are held and Shri Rahul Gandhi also said no individual will be eligible to contest such election even a FIR has been registered against such individual. There seems to be some lacunae in the implementation of the same. High Command will take appropriate decision. With the gap of time, changes are bound to happen. There cannot be a better thing than this in the politics. Shri Gohil added that Shri Ashok Chavan had resigned from the post of the CM only on filing of an FIR. It is the Congress party which has set very high moral standards which is visible in the case of Shri Pawan Bansal.

(Tom Vadakkan)
Secretary
Communication Deptt.